फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 310 प्रभात जयपुर, शनिवार 13 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

US Has Refused World Cup Ticket...

Trump has sent mixed messages about Iran's presence at the World Cup, suggesting at times that Iran should sit out the tournament. At other moments, he has expressed ambivalence

World Cup with Shakira, dancing, and protests

प्रियंका गांधी ने वेणुगोपाल को आड़े हाथ लिया

प्रियंका गांधी ने एआईसीसी महासचिवों की मीटिंग में कहा कि कांग्रेस अभी ब्लॉक व उससे ऊपर के स्तरों पर संगठन ही खड़ा नहीं कर पाई है तो प्रभावी आंदोलन कैसे करेगी

- प्रियंका गांधी ने यह टिप्पणी तब की जब वेणुगोपाल कह रहे थे कि कांग्रेस मोदी सरकार को घेरने के लिए ब्लॉक, जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर बड़े आंदोलन की योजना बना रही है।
- प्रियंका ने यह कहकर वेणुगोपाल को संकेत दिया कि उन्हें संगठन निर्माण पर ध्यान देना चाहिए।
- प्रियंका ने यह भी कहा कि एक साथ 6-7 मुद्दे उठाने की बजाय एक-दो मुद्दों पर ही फोकस करना चाहिए, तभी जनता में प्रभावी संदेश जाएगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। प्रियंका गांधी अपनी बात बेबाकी से रखने के लिए जानी जाती हैं। वे बिना लाग-लपेट के सीधे मुद्दे पर बात करती हैं।

हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिवों और राज्य प्रभारियों की बैठक में प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के करीबी सहयोगी और कांग्रेस संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के विचारों को चुनौती दी।

बैठक के दौरान वेणुगोपाल इस बात पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे कि कांग्रेस मोदी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के लिए ब्लॉक, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े आंदोलन चलाने की योजना बना रही है।

इसी पर प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया और कहा कि कांग्रेस अभी तक ब्लॉक स्तर और उससे ऊपर के स्तरों पर अपने संगठन खड़ा नहीं कर पाई है, ऐसे में वह भाजपा के खिलाफ प्रभावी आंदोलन और संघर्ष कैसे खड़ा कर सकती है।

उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के बिना पार्टी असहाय है और अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के खिलाफ कोई जन आंदोलन खड़ा नहीं कर सकती।

प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि बेहतर होगा कि पार्टी, एक साथ छह या सात मुद्दे उठाने के बजाय, केवल एक या दो प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करे।

उन्होंने कहा, बहुत सारे मुद्दे एक साथ उठाने से उनका प्रभाव कम हो जाता है और वे जनता के बीच स्पष्ट संदेश नहीं दे पाते।

राजनीतिक हलकों में इसे इस रूप में देखा जा रहा है कि प्रियंका गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से वेणुगोपाल को संगठन निर्माण पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी, बजाय इसके कि वे साये की तरह राहुल के पीछे लगे रहें।

यह जगजाहिर रहस्य नहीं है कि प्रियंका गांधी को इस बात पर आपत्ति रही है कि राहुल गांधी ने के.सी. वेणुगोपाल को संगठन संबंधी फैसलों में काफी स्वतंत्रता और व्यापक अधिकार दे रखे हैं। हो सकता है कि प्रियंका गांधी को लगा हो कि संगठन में वेणुगोपाल के प्रभाव और भूमिका को कुछ हद तक सीमित किया जाना चाहिए।

नीट परीक्षार्थियों को 15 मिनट और मिलेंगे

नई दिल्ली, 12 जून। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण सार्वजनिक सूचना जारी की है। एजेंसी ने बताया है कि अभ्यर्थियों से वर्षों से मिल रहे फीडबैक के आधार पर परीक्षा प्रक्रिया में कुछ छात्र-अनुकूल बदलाव किए गए हैं। एनटीए के अनुसार नीट यूजी 2026 परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जाएगी और इस बार परीक्षा अवधि 15 मिनट बढ़ा दी गई है।

अब तक नीट यूजी परीक्षा के लिए कुल 180 मिनट का समय दिया जाता था, लेकिन इस वर्ष परीक्षा की कुल अवधि बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शुरू होकर शाम 5:15 बजे तक चलेगी।

- उम्मीदवारों को रफ वर्क करने के लिये दो के स्थान पर चार पेज मिलेंगे।

एनटीए ने प्रश्न पुस्तिका में रफ वर्क के लिए उपलब्ध स्थान भी बढ़ा दिया है। पहले उम्मीदवारों को केवल दो रफ वर्क पेज दिए जाते थे, लेकिन अब उन्हें चार पेज उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे छात्रों को गणना, डायग्राम और अन्य कार्य करने के लिए अधिक जगह मिलेगी।

एजेंसी ने प्रश्न पुस्तिका के प्रारूप में भी बदलाव किया है। पहले रफ वर्क

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या अखंड कांग्रेस बनाने का प्रयास सफल होगा?

अटकलें हैं कि तृणमूल एवं एनसीपी पुनः कांग्रेस में लौट सकती हैं

- हालांकि, वेणुगोपाल ने "विलय" की चर्चाओं को निराधार करार दिया, पर, महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने पत्रकारों से कहा, गठबंधन नहीं विलय होगा।
- शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शरद पवार से कहा कि कांग्रेस से अलग हुए सभी छोटे दलों को कांग्रेस में लाने के लिए उन्हें पहल करनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस को मजबूत बनाने पर जोर दिया।
- ममता बनर्जी की सोनिया गांधी से और अभिषेक बनर्जी की राहुल गांधी से हुई मीटिंग के बाद टीएमसी के कांग्रेस में विलय की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। क्या ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) फिर से कांग्रेस में लौटेंगी? तृणमूल कांग्रेस में उभरते संकट के बीच राजनीतिक गलियारों में इस बात की जोरदार चर्चा है कि कांग्रेस से अलग होकर बने दल, अब वापसी की योजना बना रहे हैं।

जहाँ कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को तृणमूल के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं को "निराधार अफवाह" बताया, वहीं महाराष्ट्र में पार्टी के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने स्पष्ट संकेत दिया है कि ऐसा कदम उठाया जा सकता है।

पटोले ने कहा कि "समान विचारधारा वाले दल" कांग्रेस में विलय की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, "शरद पवार और ममता बनर्जी कांग्रेस में विलय के लिए मन बना रहे हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "यह प्रक्रिया अब राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो चुकी है और चाहे तृणमूल कांग्रेस हो या पवार साहब, अब सभी कांग्रेस में विलय की इच्छा जता रहे हैं।"

कुछ दिन पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की थी। उन्होंने शरद पवार से आग्रह किया था कि कांग्रेस से अलग होकर बने छोटे दलों को फिर से कांग्रेस में मिलाने की "पहल करें।"

राउत ने कहा था, "कांग्रेस को मजबूत होना चाहिए और उससे निकले छोटे दलों के नेताओं को स्थिति को समझना चाहिए।"

इसे एक "अच्छा प्रस्ताव" बताते हुए, एनसीपी-एसपी नेता और शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले ने कहा था कि समय ही बताएगा कि आगे क्या होगा।

उन्होंने कहा, "पहले बारिश तो होने दीजिए, फिर देखेंगे कि छाता लेना है या रेनकोट।" यह उनका एक ऐसा सांकेतिक जवाब था, जिसमें उन्होंने राउत के प्रस्ताव को खारिज नहीं किया गया।

जिस स्थिति का सामना आज तृणमूल कर रही है, वैसा ही संकट शरद पवार की एनसीपी ने झेला था, जब पवार के भतीजे अजित पवार ने 2023 उनके खिलाफ बगावत की थी।

इस सप्ताह टीएमसी-कांग्रेस की एक के बाद एक हुई बैठकों के बाद अटकलों का बाजार गर्म हो गया। मंगलवार को तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी के साथ मीटिंग की और बुधवार को टीएमसी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रूस से तेल खरीदने पर यूरोप हमें लैक्चर न दे'

विदेश मंत्री जयशंकर ने उन यूरोपियन देशों को दो टूक जवाब दिया, जो भारत के रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति कर रहे थे

- फिनलैंड में एक सम्मेलन में जयशंकर ने यूरोपियन देशों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यूरोप में बने हथियार हमारे खिलाफ इस्तेमाल होते हैं, पर, हमारे हथियार कभी यूरोप के खिलाफ इस्तेमाल नहीं हुए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस से तेल और गैस खरीदने के भारत के फैसले का कड़ा बचाव किया और उन पश्चिमी आलोचकों को चुप कर दिया, जिन्होंने इस प्रकार के सम्बंधों की नैतिकता पर सवाल उठाए थे।

जयशंकर ने कहा कि पश्चिम, भारत को रूस से ऊर्जा खरीदने पर कोई उपदेश देने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि यूरोप में बने हथियार भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए गए, जबकि भारत ने कभी भी ऐसे हथियार सप्लाई नहीं किए, जो पश्चिम के खिलाफ इस्तेमाल हो सकें।

फिनलैंड की यात्रा के दौरान कुल्तरांता टॉक्स में "उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा" विषय पर बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से कच्चा तेल खरीदने का भारत का फैसला उपलब्धता और किफायती दाम पर आधारित था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिका ने 2022 में वैश्विक बाजारों को स्थिर करने में मदद करने के लिए भारत को रूस से खरीद जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था।

यह टिप्पणी उस समय आई, जब एक पत्रकार ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत "रूस के प्रति अत्यधिक सहानुभूतिपूर्ण" है और "रूस से तेल खरीदने के लिए अत्यधिक इच्छुक है।"

पूर्व डिप्लोमैट जयशंकर ने जवाब दिया कि तेल के लिये रुस की तरफ जाने के अलावा भारत के पास कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि यूरोपीय उपभोक्ताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध 2022 के बाद, मध्य पूर्व के भारत के पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से तेल बड़ी मात्रा में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 12 जून। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्र खारिज करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बैंच ने कहा कि

- अदालत ने कहा कि नामांकन पत्र खारिज होने की चुनौती हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में नहीं की जा सकती।

नामांकन पत्र खारिज करने को चुनौती देने वाली याचिका पर न तो उच्च न्यायालय सुनवाई कर सकता है और न ही उच्चतम न्यायालय। ऐसे में ये याचिका खारिज की जाती है। सुनवाई के दौरान मीनाक्षी नटराजन की ओर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी पर हिंदू-मुस्लिम भावना भड़काने का आरोप लगा

ममता बनर्जी ने 8 मार्च 2026 को दिए एक भाषण में कहा था, अगर वे सत्ता में नहीं आईं तो अल्पसंख्यक समुदाय हिंदुओं का सफाया कर देगा

- ममता बनर्जी ने हिंदुओं को डराने वाले अंदाज में कहा था, क्या मेरे ना होने से आप उनका हमला झेल पाएंगे। इस बयान को लेकर एक नागरिक ने ममता बनर्जी पर एफआईआर दर्ज की है।
- ऐसी ही एक शिकायत अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दर्ज की गई है, जिसमें उन पर सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है।
- अभिषेक ने डायमंड हार्बर में कहा था कि चुनाव नतीजे आने के बाद यहाँ और ज्यादा श्मशान बनाने पड़ेंगे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। एक आम नागरिक ने आज हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसका आरोप है कि 8 मार्च 2026 को ममता बनर्जी के एक भाषण से राज्य के दो प्रमुख समुदायों के बीच गंभीर सांप्रदायिक संघर्ष का खतरा पैदा हो गया था।

ममता बनर्जी ने उस अवसर पर स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि वे सत्ता में नहीं रहीं तो एक समुदाय एकजुट होकर बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को पल भर में समाप्त कर सकता है। उन्होंने यह भाषण कोलकाता के एस्प्लेनेड क्षेत्र में एक चुनावी सभा में दिया था।

इसके बाद उन्होंने रुककर पूछा था, अगर ऐसा हुआ तो क्या मेरी गैरमौजूदगी में आप उस हमले का सामना कर पाएंगे? उन्होंने हिंदू समुदाय में भय पैदा कर उन्हें अपने पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की थी।

शिकायतकर्ता ने कहा कि चुनावी भाषण के तुरंत बाद वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहता था। लेकिन उसे तृणमूल कांग्रेस के लोगों द्वारा हमले का डर था। उसने कहा कि अब उसे शिकायत दर्ज कराने का साहस मिला है।

ममता बनर्जी ने राजनीतिक स्थिति को लेकर इसी तरह के कई अन्य अत्यधिक भड़काऊ भाषण भी दिए थे। अब जबकि वे सत्ता में नहीं हैं और राज्य में दूसरी सरकार आ गई है, तो बहुसंख्यक समुदाय के खिलाफ किसी प्रकार की हिंसा की कोई घटना नहीं हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि ऐसी शिकायत दर्ज होना स्वाभाविक था। इसी प्रकार की एक अन्य शिकायत ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भी दर्ज की गई है। अभिषेक बनर्जी पर भी हिंसा भड़काने के आरोप लगाए गए हैं।

ज्ञातव्य है कि चुनावी रैलियों के दौरान अभिषेक बनर्जी ने बार-बार चुनाव के बाद होने वाली बदले की कार्यवाही का इशारा किया था। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता आने की चुनौती भी दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)